राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–85/2026

राज्यपाल ने ''युवा, संस्कृति और कूटनीति : भारतीय तरीका'' विषय पर विभिन्न देशों के विद्यार्थियों के साथ किया संवाद

पटना 21 मई, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने ''युवा, संस्कृति और कूटनीति : भारतीय तरीका'' विषय पर बिहार लोक भवन में आयोजित संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न देशों के विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का वैश्विक उदय केवल उसकी आर्थिक प्रगति अथवा सैन्य शक्ति के कारण नहीं होगा, बल्कि उसके युवाओं के आत्मविश्वास, उसकी सांस्कृतिक निरंतरता और उसकी कूटनीतिक विश्वसनीयता के आधार पर होगा। उन्होंने कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति उसकी प्राचीन सभ्यतागत चेतना, लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता में एकता की भावना में निहित है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत का विकास एक ऐसे सभ्यतागत दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसने सदियों से विभिन्न धर्मों, भाषाओं, परंपराओं और विचारधाराओं को साथ लेकर चलने की क्षमता विकसित की है। भारत की पहचान उसकी समावेशी संस्कृति और सह–अस्तित्व की परंपरा से निर्मित हुई है। भारतीय परंपरा में संवाद, बहस और विचार–विमर्श को सदैव महत्व दिया गया है और यही हमारी लोकतांत्रिक जीवंतता की पहचान है।

उन्होंने कहा कि आज विश्व भारत को एक ऐसी शक्ति के रूप में देख रहा है, जो वैश्विक संतुलन और स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। भारत की कूटनीति, दबाव और विस्तारवाद के बजाय साझेदारी, सह–अस्तित्व और रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए स्वतंत्र और संतुलित निर्णय लेने की क्षमता रखता है।

उन्होंने कहा कि भारत का राष्ट्रीय हित केवल सैन्य और आर्थिक शक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी सभ्यतागत पहचान, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, सामाजिक सद्भाव और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। भारत दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यताओं में से एक है, जिसने अनेक आक्रमणों और चुनौतियों के बावजूद अपनी सांस्कृतिक निरंतरता को बनाए रखा है।

राज्यपाल ने व्यापक सुरक्षा की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज राष्ट्रीय सुरक्षा का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है। सामाजिक एकता, आर्थिक स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, डिजिटल संरचना और दुष्प्रचार से सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण आयाम हैं। डिजिटल प्रचार और सोशल मीडिया के इस युग में समाज की एकजुटता और मानसिक दृढ़ता अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।

आगे पृष्ठ....2 पर

उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति उसके रणनीतिक हितों का एक प्रमुख आधार है। भारत तेजी से विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बना रहा है और आत्मनिर्भरता, नवाचार तथा तकनीकी प्रगति के माध्यम से अपनी वैश्विक भूमिका को और सशक्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर तकनीक और डिजिटल नवाचार आज राष्ट्रीय शक्ति के महत्वपूर्ण साधन बन चुके हैं।

राज्यपाल ने भारत की सांस्कृतिक शक्ति और "सॉफ्ट पावर" का उल्लेख करते हुए कहा कि नालंदा, पाटलिपुत्र और मगध जैसी ऐतिहासिक धरोहरों ने भारत को विश्व में ज्ञान, संस्कृति और बौद्धिक आदान–प्रदान का केंद्र बनाया। भारत ने अपने विचारों और सांस्कृतिक मूल्यों के माध्यम से विश्व को प्रभावित किया है, न कि सैन्य विस्तार के माध्यम से।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में कूटनीति केवल औपचारिक वार्ताओं तक सीमित नहीं रह गई है। अब संस्कृति, तकनीक, शिक्षा, मीडिया और युवाओं की भूमिका भी वैश्विक प्रभाव निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि नई पीढ़ी को तकनीकी दक्षता के साथ–साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों और राष्ट्रीय मूल्यों से भी गहराई से जुड़ा रहना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि आज का विश्व बहुध्रुवीय व्यवस्था, तकनीकी प्रतिस्पर्धा, आपूर्ति श्रृंखला संघर्षों और हाइब्रिड युद्धों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में भारत की भूमिका केवल एक उभरती शक्ति की नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और संतुलनकारी सभ्यता–राष्ट्र की है।

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों से संवाद करते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारत का भविष्य उसके युवाओं की ऊर्जा, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और रणनीतिक दृष्टि पर आधारित होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत आने वाले समय में विश्व शांति, वैश्विक सहयोग और मानवता के साझा भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी अपनी जिज्ञासा रखी, जिनका राज्यपाल ने यथोचित समाधान किया।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर, नव नालंदा महाविहार, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया एवं आई०आई०टी०, पटना में पढ़नेवाले 18 देशों के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर राज्यपाल के सचिव श्री गोपाल मीणा, क्षेत्रीय पासपोर्ट पदाधिकारी–सह–भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् की क्षेत्रीय निदेशक श्रीमती स्वधा रिजवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

.....